SAMPLE QUESTION PAPER - 8
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना उतना ही ज़रूरी है, जितना कि बाहर वालों से। घर में दूसरों का ख्याल रखने और अच्छा व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है। विनम्रता का मतलब है-अच्छी तहज़ीब का पालन।

खुद को संतुष्टि देने के साथ ही विनम्रता और शिष्ट व्यवहार के और भी कई फ़ायदे हैं, किन्तु फिर भी लोग विनम्रता का पालन नहीं करते। कठोर और असभ्य लोग थोड़े समय के लिए सफल हो सकते हैं, मगर ज़्यादातर लोग ऐसे व्यवहार वालों से दूर रहना चाहते हैं, और आख़िरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं। बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें। एक बार विनम्र व्यवहार सीख लें, तो वह उम्र-भर साथ रहता है। यह दूसरों का ख्याल रखने और संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाता है ऐसी बातें बहुत छोटी और साधारण लगती हैं, लेकिन इंसान को बहुत दूर तक ले जाती हैं। उदाहरण के लिए-'कृपया', 'शुक्रिया', धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे चंद शब्द जादू का असर दिखाते हैं।

1. घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना क्यों जरूरी है? (1)

   (क) इससे नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है।

   (ख) इससे जेबख़र्च ज़्यादा मिलता है।

   (ग) इससे आप उनसे अपनी बात मनवा सकते हैं।

   (घ) इससे लड़ाई नहीं होती है।

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

   कथन (A): विनम्रता और शिष्ट व्यवहार इंसान को बहुत दूर तक ले जाते हैं।

   कारण (R): विनम्रता दूसरों का ख्याल रखने और संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाती है।

   विकल्प:

   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

   (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

   (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. किन शब्दों में जादू का असर होता है? (1)

(क) कृपया

(ख) शुक्रिया या धन्यवाद

(ग) मुझे क्षमा कर दीजिए

(घ) उपरोक्त सभी

4. कठोर व्यवहार करने वालों का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

5. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा क्यों दी जानी चाहिए? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

शिक्षा और गुरु के माध्यम से ही अपने आंतरिक गुणों को हम प्रकाश में लाते हैं। यदि धर्म के मार्ग पर चलकर मानव विज्ञ बनता है। तो वह अपने जीवन के मार्ग के विकास के लिए अनवरत लगकर जीवन को सफल बनाता है और सम्यक ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है, किन्तु यह शिक्षा के द्वारा ही संभव है। शिक्षा भी दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनती है तथा दूसरी से जीवन-साधना संभव होती है। दोनों में परिपूर्णता गुरु के माध्यम से ही होती है। जीविकोपार्जन की शिक्षा पाकर यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसा वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता है। दूसरी शिक्षा पाने के लिए सद्गुरु की तलाश होती है। वह सद्गुरु कहीं भी कोई भी हो सकता है, जैसे तुलसीदास की सच्ची गुरु उनकी पत्नी थी, जिनकी प्रेरणा से उनके अंतर्मन में प्रकाश भर गया और सारे विकार धुल गए। मन स्वच्छ हो गया। अपने दुर्लभ जीवन को सफल बनाकर हमेशा-हमेशा के लिए सुखद जीवन जिए। ऐसे ही ब्रह्म-ज्ञान व आत्मनिरूपण की सच्ची शिक्षा के बिना सार्थक जीवन नहीं मिलता। सच्चा ज्ञान मुक्ति का मार्ग है।

1. व्यक्ति करोड़ों जन्मों के कर्मों से कैसे मुक्ति पाता है? (1)

(क) धर्म के मार्ग पर चलकर

(ख) कर्मों से मुक्ति प्राप्त कर

(ग) अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर

(घ) जीवन को सफल बनाकर

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): शिक्षा दो प्रकार की होती है – एक जो जीविकोपार्जन का माध्यम बनती है और दूसरी जो आत्मज्ञान व मुक्ति का मार्ग दिखाती है।

कारण (R): सद्गुरु के माध्यम से ही शिक्षा की दोनों प्रकार की पूर्णता संभव है।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. तुलसीदास की गुरु कौन थीं? (1)

(क) तुलसीदास की बहन

(ख) तुलसीदास की दादी

(ग) तुलसीदास की माता

(घ) तुलसीदास की पत्नी

4. शिक्षा किन-किन माध्यमों से मिलती है? (2)

5. जीविकोपार्जन की शिक्षा से मनुष्य को क्या प्राप्त होता है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. बाइबिल के सोलोमेन सारे <u>**छोटे-बड़े-पशु-पक्षियों**</u> के भी हाकिम थे। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

ii. सबकी सहायता करने वाले आप आज उदास क्यों हैं? **सर्वनाम पदबंध** छाँटिये।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। इस वाक्य में **क्रिया पदबंध** कौन सा है।

iv. वामीरो भयवश सामने आने में **<u>झिझक रही थी</u>।** रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

v. में तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया। वाक्य में प्रयुक्त **क्रिया विशेषण पदबंध** की पहचान कीजिए।

4. नीचे लिखे वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए : **[4]**

i. लड़कों का एक झुंड पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था। (मिश्र वाक्य में)

ii. भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली। (संयुक्त वाक्य में)

iii. ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी, जिसमें खुला चैलेंज दिया गया हो। (सरल वाक्य में)

iv. वह छह मंजिली इमारत की छत थी जिस पर एक पर्णकुटी बनी थी। (सरल वाक्य)

v. कठिन परिश्रम करने के बाद वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो सका। (संयुक्त वाक्य में)

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. सामासिक पद और उपसर्ग-प्रत्यययुक्त पद में क्या अंतर है? **[1]**

ii. 'न द्विगु समास' में पूर्व पद और उत्तर पद के कार्यों को समझाइए। **[1]**

iii. 'पुस्तकालय' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

iv. 'त्रिलोकीनाथ' शब्द का समास विग्रह कीजिए और इसके भेदों को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

v. 'संगठित' शब्द में किस प्रकार का समास है? इसका विग्रह कीजिए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**

देश की रक्षा के लिए वीर सैनिक_________तैयार रहते हैं। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**

दीपावली के बाजार में इतनी भीड़ थी कि _________। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. **किन्हीं दो** मुहावरों का वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि आशय स्पष्ट हो जाए: **[1]**

i. मुँह की खाना

ii. आवाज़ उठाना

iii. दो से चार बनाना

iv. 'बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद' का वाक्य बनाइए। **[1]**

v. "जोश में होश मत खोना, नहीं तो पछताना पड़ेगा।" इस वाक्य का मुहावरा पहचानें और प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते थे। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

i. तताँरा द्वारा परम कर्त्तव्य माना गया है?

क) पशु-पर्व में सम्मिलित होना	ख) अपने गाँववासियों की सहायता करना
ग) समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना	घ) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना

ii. निकोबार के लोगों द्वारा तताँरा से प्रेम करने का क्या कारण था?

क) क्योंकि उसके पास अद्भुत तलवार थी	ख) क्योंकि वह उनके गाँव का नवयुवक था

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) क्योंकि वह अत्यंत सुंदर था

घ) क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था

iii. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): अपने अत्याचारों के कारण वह चर्चित था।

कारण (R): वह कभी भी किसी की सहायता नहीं करता था।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

iv. तताँरा को दूसरे गाँव के पर्व-त्योहारों में क्यों आमंत्रित किया जाता था?

क) सके द्वारा परंपराओं को महत्त्व देने के कारण

ख) मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण

ग) उसके गंभीर स्वभाव के कारण

घ) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण

v. गद्यांश के अनुसार तताँरा के चरित्र की क्या विशेषता है?

क) कर्त्तव्यनिष्ठता की

ख) त्यागमय स्वभाव की

ग) सभी विकल्प सही हैं

घ) आकर्षक व्यक्तित्व की

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठ में लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों? **[2]**

ii. लेखक ने 'टी-सेरेमनी' में चायपान के समय क्या निर्णय लिया? पतझर में टूटी पत्तियाँ पाठ के सन्दर्भ में उत्तर दीजिए। **[2]**

iii. सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर क्यों बैठाना चाहता था? कारतूस पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

iv. 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

i. प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, कवि को ईश्वर किस स्थिति में नहीं मिल पा रहे थे?

क) जब उसे आध्यात्मिक ज्ञान नहीं था

ख) जब तक उसने ईश्वर का स्मरण नहीं किया था

ग) जब उसमें अहंकार भरा हुआ था

घ) जब वह सांसारिक भव बंधनों में पड़ा था

ii. कवि का अज्ञान रूपी अंधकार किसके माध्यम से दूर हो गया?

क) गुरु के उपदेश के माध्यम से

ख) ज्ञानरूपी दीपक के माध्यम से

ग) ईश्वर के दर्शन मात्र से

घ) ईश्वर के स्मरण मात्र से

iii. कवि को ईश्वर के दर्शन होने पर क्या लाभ हुआ?

क) उसको अपनी शक्ति का आभास हो गया

ख) वह बहुत ज्ञानी हो गया

ग) उसके भीतर का 'मैं' समाप्त हो गया

घ) उसे संसार व्यर्थ लगने लगा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. **दीपक** किसका प्रतीक है?

क) ज्ञान का | ख) संसार का

ग) खुशियों का | घ) उजाले का

v. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. अहंकार भरे होने के कारण ईश्वर से मिलन हो जाता है।
ii. ज्ञान के दीपक से ही अज्ञान दूर हो सकता है।
iii. परमात्मा के मिल जाने से अहं समाप्त हो जाता है।
iv. कबीर अहंकार को मिटाने की बात करते हैं।
v. निंदक को अपने आँगन में ही रखना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए –

क) (i), (ii), (iii) | ख) (ii), (iii), (iv)

ग) (i), (ii), (iii), (iv) | घ) (iii), (iv), (v)

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए। **[2]**

ii. भाव स्पष्ट कीजिए- **[2]**

अब तो बहरलाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।

iii. सैनिक अपनी जवानी को कब सार्थक मानता है? कर चले हम फ़िदा कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. दुःख के संबंध में हमारी प्रार्थना और कवि की प्रार्थना में क्या अंतर है? **आत्मत्राण** कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **समाज में रिश्तों से अधिक महत्त्व धन का है। हरिहर काका** कहानी के संदर्भ में इस कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए। **[3]**

ii. **सपनों के से दिन** पाठ में पीटी सर की किन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में स्वीकृत मान्यताओं और पाठ में वर्णित युक्तियों के सम्बन्ध में अपने विचार जीवन मूल्यों की दृष्टि से व्यक्त कीजिए। **[3]**

iii. रामदुलारी की मार से टोपी पर क्या प्रभाव पड़ा? **टोपी शुक्ला** पाठ के आधार पर स्पष्ट करें। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **विज्ञान के बढ़ते क़दम** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत-बिंदु-

- हर तरफ़ विज्ञान का बोलबाला
- सहज जीवन
- वैज्ञानिक उड़ान

ii. **शहरी जीवन : कल्पना और यथार्थ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- शहरी जीवन की कल्पना; सफाई, सुंदरता, आदि की कल्पना और वास्तविक स्थिति
- शहर और गाँव के जीवन में अन्तर
- शहर में रहने के लाभ एवं हानि

iii. **शिक्षक दिवस पर मेरी भूमिका** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत बिंदु:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- शिक्षक दिवस का परिचय
- भूमिका क्या थी
- कैसे निभाई
- प्रभाव और परिणाम

13. आप निजी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोलना चाहते हैं। इस कार्य को आरंभ करने में अत्यधिक धनराशि की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में अपने जनपद के केनरा बैंक के प्रबंधक महोदय को ऋण प्रदान करने हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप तनुज/तनुजा हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में छात्रों को समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव खटकता है। प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर इस विषय से संबंधित पुस्तकें मँगवाने के लिए निवेदन कीजिए।

14. वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किए जा रहे किसी आयोजन के प्रमुख आकर्षणों का उल्लेख करते हुए लगभग 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **[4]**

अथवा

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने विभिन्न निवेदादाताओं में से कुछ योग्य निविदादाताओं को अपनी आवश्यकता के अनुरूप पाया है। उन्होंने अपनी निविदा में कार्य की क्या कीमत निर्धारित की है उसे बताने के लिए निविदादाताओं की सभा बुलाने के लिए 20-25 शब्दों में एक सूचना जारी कीजिए।

15. नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

आपके पिताजी का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया है, इसलिए आप अपने घर का फर्नीचर बेचना चाहते हैं। इससे संबंधित आवश्यक जानकारी देते हुए **60** शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. आप धनुश्री/धनुष हैं। अपने क्षेत्र में जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने शहर के नगर निगम/नगरपालिका को लगभग **80** शब्दों में ई-मेल लिखिए। **[5]**

अथवा

लॉकडाउन में गरीब विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (क) घरवालों से शिष्ट व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) उ'कृपया', 'शुक्रिया', 'धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे शब्दों में जादू का असर होता है।
   4. कठोर व्यवहार करने वालों से ज्यादातर लोग दूर रहना चाहते हैं और आखिरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं।
   5. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें।
2. 1. (ग) सम्यक ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर व्यक्ति करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) तुलसीदास की गुरु उनकी पत्नी थीं।
   4. शिक्षा दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनता है तथा दूसरी से जीवन साधना संभव होती है।
   5. जीविकोपार्जन की शिक्षा प्राप्त कर मनुष्य को यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसे वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. संज्ञा पदबंध
   ii. सबकी सहायता करने वाले आप
   iii. बना लिया था
   iv. क्रिया पदबंध
   v. खेलते-कूदते
4. i. लड़कों का एक झुंड था जो पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था।
   ii. भाई साहब उछले और पतंग की डोर पकड़ ली।
   iii. खुला चैलेंज देने वाली ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।
   iv. उस छह मंजिली इमारत की छत पर एक पर्णकुटी बनी थी।
   v. उसने कठिन परिश्रम किया इसलिए वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो सका।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) सामासिक पद में दो या अधिक शब्द मिलकर एक नया अर्थ प्रदान करते हैं, जबकि उपसर्ग और प्रत्यय किसी शब्द के आरंभ या अंत में जुड़कर उसके अर्थ को विस्तार या परिवर्तन देते हैं।
   (ii) न द्विगु समास में पूर्व पद और उत्तर पद दोनों को जोड़ने का कार्य एक सकारात्मक, निराकार और नकारात्मक रचनाओं से संबंधित होता है। उदाहरण - "प्रकृतिवादी" (प्रकृति+वेद), जहाँ वेद और प्रकृति दोनों की आपस में जुड़े हुए होते हैं।
   (iii)विग्रह: पुस्तक + आलय
   भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "पुस्तक" (किताब) और "आलय" (स्थान) मिलकर "पुस्तकालय" (किताबों का स्थान) का अर्थ बनाते हैं।
   (iv)
   - विग्रह: त्रि + लोक + नाथ
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है। "त्रि" (तीन), "लोक" (दुनिया), और "नाथ" (स्वामी) के मिलकर एक नया अर्थ उत्पन्न होता है - "तीनों लोकों का स्वामी" (ईश्वर)।

   (v) आपका विश्लेषण सही है। "संगठित" शब्द में द्वंद्व समास है, जो दो शब्दों "संग" और "ठित" से मिलकर बना है।
   विग्रह:
   - **संग** (संग्रह, एकत्रित)
   - **ठित** (ठहराया हुआ, स्थिर)

   यह द्वंद्व समास दोनों शब्दों के बीच समानता या द्वंद्व की स्थिति को व्यक्त करता है, यानी एकत्रित और स्थिर होने का विचार। "संगठित" का अर्थ है ऐसा कुछ जो व्यवस्थित या एकत्रित रूप से स्थिर या सामूहिक रूप से ठहरा हुआ हो।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) सिर पर कफ़न बाँधना
   (ii) तिल रखने की जगह न थी
   (iii) i. मुँह की खाना - जो व्यक्ति अनुचित कार्य करता है, उसे कभी-न-कभी मुँह की खानी पड़ती है।
   ii. आवाज़ उठाना - राजा राममोहन राय ने रूढ़ियों के विरुद्ध आवाज़ उठाई और उसमें वे सफल भी हुए।
   iii. दो से चार बनाना - कुछ लोग तो बिना मेहनत किए ही दो से चार बनाने में लगे रहते हैं।
   (iv)उसने अच्छी पेंटिंग को नकार दिया, यह तो वही बात हुई, बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) मुहावरा: जोश में होश खोना।
वाक्य: मैच जीतने की खुशी में खिलाड़ियों ने जोश में होश खो दिया।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते थे। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

(i) **(ग)** समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना
व्याख्या:
समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना

(ii) **(घ)** क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था
व्याख्या:
क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था

(iii) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या:
कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) **(ख)** मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण
व्याख्या:
मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण

(v) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) लेखक की माँ शाम के समय सूरज ढलने पर पेड़ों से पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थी क्योंकि उनका मानना था कि ऐसा करने से पेड़ रोते हैं और हमें बद्दुआ देते हैं।

(ii) लेखक ने 'टी-सेरेमनी' में चाय पीते समय यह निर्णय लिया कि अब वह कभी भी अतीत और भविष्य के बारे में नहीं सोचेगा। उसे लगा कि जो वर्तमान हमारे सामने है, वही सत्य है। भूत काल और भविष्यत काल दोनों ही मिथ्या हैं क्योंकि भूत काल चला गया है जो कभी नहीं आएगा और भविष्य अभी आया ही नहीं है, तो इन दोनों को छोड़कर हमें अपने वर्तमान काल में ही पूरा जीवन का आनंद लेना चाहिए और हमें इनके बारे में सोचकर अपना समय व्यतीत नहीं करना चाहिए। अतः इन दोनों के बारे में सोचना छोड़कर वर्तमान में जीना ही जीवन का वास्तविक आनन्द लेना है।

(iii)सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर बिठाना चाहता था क्योंकि सआदत अली अंग्रेजों का मित्र था और बहुत ही अय्याश किस्म का इंसान था। कर्नल अवध की संपत्ति को हथियाना चाहता था जो उसे सआदत अली के नवाब बनते ही मिल गई और साथ में दस लाख रुपये भी।

(iv)प्रस्तुत पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के जिन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है, उनमें सर्वाधिक प्रमुख है-रटकर पढ़ाई करना। इसका साक्षात् प्रमाण है बड़े भाई, जो बिना पाठ का अर्थ समझे उसे रटते रहते थे। इसके अतिरिक्त खेलकूद को व्यर्थ समझना भी सही नहीं है। मैं इस विचार से सहमत नहीं हैं। विषय को समझने के स्थान पर केवल रटने पर ही ज़ोर देना व्यर्थ है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

(i) **(ग)** जब उसमें अहंकार भरा हुआ था
व्याख्या:
जब उसमें अहंकार भरा हुआ था

(ii) **(ख)** ज्ञानरूपी दीपक के माध्यम से
व्याख्या:
ज्ञानरूपी दीपक के माध्यम से

(iii) **(ग)** उसके भीतर का 'मैं' समाप्त हो गया
व्याख्या:
उसके भीतर का 'मैं' समाप्त हो गया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) **(क)** ज्ञान का

व्याख्या:

ज्ञान का

(v) **(ख)** (ii), (iii), (iv)

व्याख्या:

ज्ञान के दीपक से ही अज्ञान दूर हो सकता है। परमात्मा के मिल जाने से अहं समाप्त हो जाता है। कबीर अहंकार को मिटाने की बात करते हैं।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीरा के काव्य की भाषा मुख्य रूप से ब्रजभाषा है, किंतु उनकी रचनाओं में राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती आदि भाषाओं के शब्दों का भी प्रयोग हुआ है। मीरा के पदो में बहुताधिक तद्भव शब्द हैं। मुहावरों के प्रयोग से भाषा प्राणमयी और सजीव हो उठी है। उन्होंने बिना किसी आडंबर के सहज रूप से अपनी बात कह दी। शांत, भक्ति तथा करुण रसों के सुंदर प्रयोग से उनकी रचनाओं का सौंदर्य बढ़ गया है। उनकी भाषा में पर्यायवाची शब्दों (हरि, गिरधर, मोहन, श्याम, गोविंद, मुरलीवाला आदि) तथा अनुप्रास एवं रूपक अलंकार आदि का प्रयोग दिखाई देता है। उनकी भाषा मधुर है। उनके पद गेयात्मक है, जिसके कारण उनकी रचनाएँ गायकों में लोकप्रिय है ।

(ii) उपरोक्त पंक्तियां पाठ्यपुस्तक के 'कर चले हम फ़िदा' कविता से ली गई हैं। कवि इन पंक्तियों के माध्यम से तोप की बदहाल स्थिति को दर्शाना चाहते हैं। वे बताते हैं कि पहले यह तोप जितनी विनाशकारी थी, आज उतनी ही बुरी स्थिति में है। आजकल तो यह खिलौने के रूप में काम कर रही है। अब बच्चे इस तोप पर बैठकर घुड़सवारी का आनंद लेते हैं। बच्चों के फारिग होने पर चिड़ियाँ इस पर बैठकर आपस में गपशप करती हैं। अब कोई भी इससे भयभीत नहीं होता।

(iii) एक सच्चा सैनिक अपनी मातृभूमि के प्रति निःस्वार्थ सेवा भाव रखता है और देश के लिए अपनी जान देने को तत्पर रहता है। वह अपने प्राणों की परवाह किए बिना हर संकट व अनगिनत शत्रुओं से हर समय मुकाबले को तैयार रहता है। एक सच्चा सैनिक अपनी जवानी को तभी सार्थक मानता है जब वह शत्रुओं से युद्ध करते हुए अपने प्राणों की बलि दे और उसके खून की एक-एक बूंद देश के काम आ जाए।

(iv) दुःख के संबंध में हमारी प्रार्थना और कवि की प्रार्थना में बहुत अंतर है। दुःख के समय में हम ईश्वर से विनती करते हैं कि वे हमें दुःख से बचायें और हम पर किसी प्रकार की कोई कठिनाई न आए। वही कवि दुख के समय ईश्वर से निवेदन करता है कि वे उसे दुःख से नहीं बचाए बल्कि इतनी हिम्मत और साहस दें कि वह दुःख का सामना कर उनसे निपट सके ।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) समाज में रिश्तों से अधिक महत्व धन का है। वर्तमान में रिश्ते भावनाओं की सीमाओं से परे केवल धन-दौलत पर ही आधारित रह गए हैं। जब तक हरिहर काका अपनी इच्छा से अपने भाइयों को सब कुछ देते रहे तब तक लोभी भाई उनकी सेवा करते रहे। वे अपने स्वार्थ के लिए ही रिश्ते निभा रहे थे। महंत ने भी धन के लालच में उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उनके भाइयों ने जबरदस्ती बहुत से कागजों पर उनके अंगूठे के निशान ले लिए और विरोध करने पर उनसे हाथापाई की। संपत्ति के लिए अपने भी पराये बन जाते हैं।

(ii) पी.टी. सर की चारित्रिक विशेषताएँ :

i. **रौबदार व्यक्तित्व** - पी.टी. सर का व्यक्तित्व बहुत रौबदार था। वे स्कूल के समय में कभी भी मुस्कुराते नहीं थे। माता के दागों से भरा चेहरा तथा बाज-सी तेज आँखें, खाकी वर्दी, चमड़े के चौड़े पंजों वाले बूट, सभी कुछ रौबदार व भयभीत करने वाला था।

ii. **कठोर अनुशासन प्रिय** - पी.टी. मास्टर बहुत कठोर थे। वह छात्रों को अनुशासन में लाने के लिए बहुत कठोर और क्रूर दण्ड दिया करते थे। छात्रों को घुड़की देना, ठुढ्डे मारना, उन पर बाज की तरह झपटना, उनकी खाल खींचना उनके लिए बाएँ हाथ का खेल था।

iii. **स्वाभिमानी** - पी.टी. मास्टर का सिद्धांत है कि लड़कों को डॉट-डपट कर रखा जाए। इसलिए चौथी कक्षा के बच्चों को मुर्गा बनाकर कष्ट देना उन्हें अनुचित नहीं लगता। अतः जब हैडमास्टर उन्हें कठोर दण्ड देने पर मुअत्तल कर देते हैं तो वह गिड़गिड़ाने नहीं जाते।

iv. **बाहर से कठोर किन्तु कोमल हृदय** - पी.टी. सर बाहर से कठोर किन्तु हृदय से कोमल थे। उन्होंने घर में तोते पाल रखे थे। जब उनको स्कूल से मुअत्तल किया गया, तब वे अपने तोतों से बात करते व उन्हें भीगे हुए बादाम खिलाते थे। स्काउट परेड अच्छी करने पर छात्रों को शाबाशी भी देते थे।

मेरे विचार से, शारीरिक दंड पर रोक लगाना बहुत आवश्यक कदम है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शारीरिक दंड को स्वीकृत मान्यता नहीं है। शिक्षकों को छात्रों को पीटने का अधिकार नहीं है।

बच्चों को विद्यालय में शारीरिक दंड से नहीं अपितु मानसिक संस्कार द्वारा अनुशासित करना चाहिए। इसके लिए पुरस्कार, प्रशंसा, निंदा आदि उपाय अधिक ठीक रहते हैं, क्योंकि शारीरिक दण्ड के भय से बच्चा कभी भी अपनी समस्या अपने शिक्षक के समक्ष नहीं रख पाता है। उसे सदैव यही भय सताता रहता है कि यदि वह अपने अध्यापक को अपनी समस्या बताएगा, तो उसके अध्यापक उसकी कहीं पिटाई न कर दें जिसके कारण वह बच्चा दब्बू किस्म का बन जाता है। इसके स्थान पर यदि उसे स्नेह से समझाया जाएगा, तो वह सदैव अनुशासित रहेगा और ठीक से पढ़ाई भी करेगा।

(iii) टोपी के द्वारा 'अम्मी' कहे जाने पर टोपी के घर में बवंडर पैदा हो गया। दादी के उकसाने पर माँ रामदुलारी ने टोपी की बहुत पिटाई लगाई तथा उसे इफ़्फ़न से न मिलने की हिदायत दी। लेकिन पिटाई खाकर भी टोपी ने इफ़्फ़न से मिलना नहीं छोड़ा वरन् इस पिटाई से टोपी बहुत उदास हो गया तथा उसका पूरा बदन दर्द करने लगा। उसे अपनी दादी से नफरत हो गई। वह सोचने लगा कि काश ! इफ़्फ़न की दादी से उसकी दादी को बदला जा सके। इफ़्फ़न की दादी के मरने पर उसने इफ़्फ़न से कहा भी कि तेरी दादी की जगह मेरी दादी मर जाती तो अच्छा रहता। वहीं वह मुन्नी बाबू से भी घृणा करने लगा। वह बस यही सोचता रहता था कि काश वह एक दिन के लिए मुन्नी बाबू से बड़ा हो पाता और उसे सबक सिखा पाता।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **विज्ञान के बढ़ते कदम**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आज के युग में विज्ञान का बोलबाला हर क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। चाहे वह चिकित्सा हो, संचार, परिवहन या औद्योगिक क्षेत्र, विज्ञान ने हर दिशा में नई संभावनाओं और नवाचारों के द्वार खोले हैं। इसकी कृपा से हमारे जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं और यह हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

विज्ञान के प्रभाव से हमारे जीवन में सहजता और सुगमता आई है। चिकित्सा विज्ञान ने बीमारियों का इलाज संभव बना दिया है और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है। आधुनिक संचार तकनीकें, जैसे कि स्मार्टफोन्स और इंटरनेट, ने विश्व को एक डिजिटल गाँव बना दिया है, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान त्वरित और सरल हो गया है। परिवहन के क्षेत्र में, विज्ञान ने हमें तेजी से यात्रा करने के साधन प्रदान किए हैं, जिससे समय की बचत और भौगोलिक दूरी का प्रभाव कम हुआ है।

विज्ञान की इस वैज्ञानिक उड़ान ने न केवल हमारे वर्तमान को सशक्त बनाया है, बल्कि भविष्य के लिए नई संभावनाओं का आह्वान भी किया है। नवाचारों और अनुसंधानों के माध्यम से, हम नई तकनीकों और समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं जो हमारे जीवन की चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और नैनो तकनीक जैसे क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधान भविष्य में नए अवसर और संभावनाएं पेश करेंगे।

इस प्रकार, विज्ञान के बढ़ते कदम न केवल हमारे जीवन को आसान और बेहतर बना रहे हैं, बल्कि समाज और संस्कृति में भी महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। यह निरंतर प्रगति और नवाचार की दिशा में हमारे विश्वास को मजबूत करता है, जिससे हम एक उन्नत और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।

(ii) **शहरी जीवन : कल्पना और यथार्थ**

भारत मुख्य रुप से एक कृषि आधारित देश है। किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वे अपने खेतों में अनाज और सब्जियाँ उगाने के लिए कड़ा परिश्रम करते हैं। वे फसलों की सिंचाई के लिए तालाबों और नहरों में पानी के संरक्षण करते हैं। किसानों का शहरों की भागदौड़ एवं हलचलों से दूर एवं प्रकृति के करीब होता है। वहाँ यदि भूमि और जाति के पूर्वाग्रहों एवं प्रचलित अंधविश्वासों पर होने वाले संघर्षों को अगर छोड़ दे तो हर जगह शांति और सौहार्द का माहौल होता है। दूसरी ओर, शहरों में लोग हमेशा वक्त की कमी से जूझते है, यहाँ हर कार्य काफी तेजी के साथ करना होता है जीवन में को उत्साह नही होता है। वहाँ हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने का जबरदस्त तनाव बना रहता है और व्यस्त शहरी जीवन की वजह से स्वास्थ्य संबंधी अन्य परेशानियाँ भी हो जाती हैं। शहरी निवासियों को अपने मित्रों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों, या यहाँ तक कि अपने परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए भी काफी कम समय होता है। जैसे-जैसे शहरों में रहने वाले लोगों की आवश्यकताएँ एवं उनकी लागत बढ़ती जा रही हैं पैसे के पीछे भागने की प्रवृत्ति भी शहरों में लगातार बढ़ती जा रही है और यह उनके जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। धन जमा कर लेने के बावजूद शांति अभी भी शहरी निवासियों से कोसों दूर है। गाँवों में एवं शहर में रहने वाले लोगों के जीवन में सिर्फ इतना ही फर्क नहीं है। शहरी और ग्रामीण जीवन एकदूसरे के बिल्कुल विपरीत है और इन दोनों जीवनों में जमीन आसमान का फर्क है। एक तरफ जहाँ ग्रामीण जीवन में संयुक्त परिवार, मित्रो, रिश्तेदारों और साधरण जीवन को महत्व दिया जाता है। वही शहरी जीवन में लोग एकाकी तथा चकाचौंध भरा जीवन जीते है। गाँवों में भी जीवन की अपनी समस्याएँ हैं। वहाँ अकसर भूमि के मालिकाना हक एवं जाति से संबंधित झड़पें होती रहती हैं। कई गाँवों में भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, परिवहन और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। हालांकि हम चाहे गाँव में रहे या शहर में लेकिन हमें अपने जीवन में सही संतुलन और उद्देश्य को स्थापित करने की आवश्यकता है।

(iii)5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस दिन श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन होता है। वे देश के राष्ट्रपति के पद पर थे और शिक्षकों का सम्मान करते थे। यह दिन शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस वर्ष शिक्षक दिवस पर, मैंने अपनी कक्षा में एक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। मैंने अपने सहपाठियों के साथ मिलकर कार्यक्रम की योजना बनाई। कार्यक्रम में, हमने अपने शिक्षकों के लिए भाषण, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। हमने उन्हें कार्ड और फूल भी भेंट किए। कार्यक्रम बहुत सफल रहा। हमारे शिक्षकों ने हमारे प्रयासों की सराहना की और वे बहुत खुश हुए। इस कार्यक्रम ने हमें अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर दिया और हमें उनसे प्रेरणा प्राप्त करने में भी मदद मिली।

13. परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश
दिनांक 13 मार्च, 20XX
सेवा में,
श्रीमान प्रबंधक महोदय,
केनरा बैंक मोदीनगर,
उत्तर प्रदेश।
विषय कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोलने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु।
मान्यवर,
मैं आपको विनम्र रूप से सूचित करना चाहता हूँ कि मैं पिछले कुछ वर्षों से एक विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। मैंने उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय से एम.सी.ए. किया हुआ है। कंप्यूटर प्रशिक्षण के क्षेत्र में अत्यधिक रुचि होने के कारण मैंने इस क्षेत्र को अपने व्यवसाय के रूप में चुना है। मै अपने जनपद में जन कल्याण हेतु एक निजी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान खोलने चाहता हूँ। मेरा उद्देश्य इस संस्था के द्वारा इस जनपद के और जनपद के आसपास के क्षेत्रों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देना है। जिससे सभी को फायदा होगा । लेकिन इसमें एक समस्या भी है। मेरे पास इतनी पूंजी नहीं है कि मैं उस पूंजी को लगाकर एक निजी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोल सकूं । इसलिए मैं आपके पास आया हूँ। मुझे कुछ ऋण की आवश्यकता है । इसलिए कृपया करके मुझे ऋण देने का प्रयास करें ।
सधन्यवाद।
भवदीय
करण

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
उच्च माध्यमिक विद्यालय
दिल्ली,
दिनांक - 25 नवम्बर 20XX

विषय - विद्यालय में समसामयिक विषयों की पुस्तकें मँगवाने हेतु।

महोदय,

मैं तनुजा आपके विद्यालय कि छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव है, जो हमारे छात्रों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। विद्यालय में होने वाली जी.के. की परीक्षाओं के लिए आवश्यकता पड़ने पर भी वे उपलब्ध नहीं हैं।

मैं आपसे विनम्रता से अनुरोध करती हूँ कि आप हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में समसामयिक विषयों से संबंधित पुस्तकें मँगवाने की कृपा करें। इससे हमारे छात्र जी.के. की परीक्षाओं की तैयारी बेहतर होगी और उनका विज्ञान विकास होगा। हम सभी छात्र आपके प्रतिक्रिया का इंतज़ार कर रहे हैं।

धन्यवाद और आपके सहायता के लिए आभारी,
आपकी आज्ञाकारी शिष्य
तनुजा

14.

वाटिका अपार्टमेन्ट

सूचना

30 मार्च, 2019

हमारी सोसाइटी के समस्त वरिष्ठ नागरिकों को सूचित किया जा रहा है कि इस बार उनके मनोरंजन के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उसके प्रमुख आकर्षक में संगीत सभा, कव्वाली, नाटक, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आदि शामिल हैं। अतः आप सबसे विनम्र निवेदन है कि इस आयोजन का संपूर्ण रूप से लाभ उठाते हुए रात्रिभोज का विशेष रूप से आनन्द उठाएँ।

साधना सक्सेना
अध्यक्षा

अथवा

दिल्ली विकास प्राधिकरण

(I.S.O. 9001:2019 एवं I.S.O. 14005:2019 प्रमाणित संस्था)

पत्र सं० 451/व्याव० अनु०/18 दिनांक 25/02//2019

"प्राइस-बिड खोले जाने संबंधी सूचना"

वाटिका एन्क्लेव योजना स्थित ग्रुप हाउसिंग भूखंड सं० जी०एच०-16 की टू बिड सिस्टम के अंतर्गत नीलामी के संबंध में दिनांक 18.02.2019 को प्राप्त निविदाओं में मै० प्रकाश बिल्डर्स प्रा०लि० एवं मै० जे० के० जी० कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की तकनीकी बिड अर्ह पाई गई है। अतः संबंधित निविदादाताओं को सूचित किया जाता है कि उक्त अर्ह निविदादाताओं की प्राइस बिड दिनांक 28 को सायं 4.00 बजे प्राधिकरण सभागार में खोली जाएगी। सभी निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे निर्धारित समय पर दिल्ली विकास प्राधिकरण सभागार में उपस्थित होने का कष्ट करें।

15.

कीमत केवल 100 रूपये (6 पैकेट)

"नाखूनों की शान बढ़ाती
सुंदरता में चार चाँद लगाती
सबके मन को लुभाती
श्रृंगार नेलपोलिश"

"""श्रृंगार नेलपॉलिश"""
आकर्षक रंगो में उपलब्ध
सस्ती सुंदर और टिकाऊ
सभी प्रमुख स्टोर्स में उपलब्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

बिकाऊ है

सभी फर्नीचर ब्रांडेड है।

"आवास को सुंदरता से सजाएँ!" हम अपने घर के फर्नीचर को बेचना चाहते हैं। आपके घर को अद्भुत और आकर्षक बनाने के लिए हमारे पास दराजी, सोफे, डाइनिंग टेबल, और अन्य आकर्षक आइटम्स हैं। आइए, इस सुंदर फर्नीचर को अपनाएँ और अपने घर को सजाएँ! जो भी व्यक्ति फर्नीचर को लेने को इच्छुक हो, तो आज ही संपर्क करें!"

सभी फर्नीचर बहुत ही कम शुल्क पर उपलब्ध

मकान न. 2/40 सरोजिनी नगर दिल्ली

मोबाइल न. 89214576XX

दूरभाष न. 247-5781241

प्रेषक (From) - xyz@gmail.com

प्रेषकर्ता (To) - abc@gmail.com

विषय: जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु

महोदय,

मैं धनुश्री/धनुष, [क्षेत्र का नाम] का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या है। बारिश होने पर सड़कें और गलियाँ पानी से भर जाती हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में बहुत कठिनाई होती है। इस समस्या के कारण गंदगी और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कृपया इस समस्या का शीघ्र समाधान करें और जल निकासी की उचित व्यवस्था कराएँ।

आपकी सहायता की अपेक्षा है।

धन्यवाद।सादर,

16. धनुश्री/धनुष

अथवा

लॉकडाउन में गरीब

ये वाकया उस वक्त का है जब पूरे देश में कोरोना के कारण लॉकडाउन लगा हुआ था। मैं जहाँ रहता हूँ, वहाँ से थोड़ी दूर एक बस्ती है जिसमें गरीब मजदूर रहते हैं। हुआ ऐसा कि एकदिन मैं वहाँ से गुजर रहा था, तो मैंने एक झोपड़े से कुछ आवाजें सुनी। उस घर के बच्चे भूखे थे और वे खाना माँग रहे थे। मैंने पास ही खड़े एक आदमी से पूछा कि कुछ कठिनाई है क्या? मेरी बात सुनकर वो बोला कि बंदी होने के कारण सारे काम बंद हैं और काम नहीं होने के कारण हमें पैसे नहीं मिल रहे हैं।

लगभग पूरे बस्ती की यही स्थिति थी कि सभी घरों में खाने की सामग्री या तो नहीं थी या फिर बहुत कम थी। इस पर मैंने उनसे पूछा कि सरकार ने तो सभी के लिए खाने की व्यवस्था मुफ्त में की है, तो उनमें से एक ने कहा कि हम अपना राशन लेने के लिए गए थे लेकिन हमें कुछ भी नहीं मिला और हमें बताया गया कि अनाज आया ही नहीं है।

मैं और मेरे कुछ दोस्तों ने मिलकर इनकी मदद करने की ठानी। हम सभी अपने घरों से कुछ राशन लेकर आए और आस पास और लोगों को भी मदद के लिए प्रोत्साहित किया ताकि 2-3 दिन के लिए उन्हें भोजन मिल जाए। इसी बीच एक NGO ने आकर उनके भोजन की व्यवस्था करने का भरोसा दिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in